# मिशन शिक्षण संवाद

# काव्यांजलि.....

## अक्टूबर 2024

### बेसिक के पाठ्यक्रम को सहज बनाती कविताएँ..

## संकलन कार्य....

## काव्यांजलि टीम - मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with OKEN Scanner

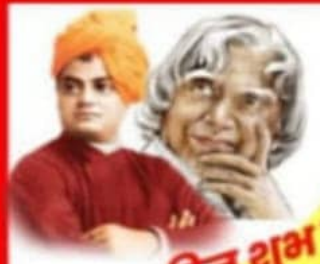

दिनांक 01 अक्टूबर, 2024

# काव्यांजलि

2325

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- हिन्दी

## छिपा रहस्य...

पाठ- 20 (भाग-03)

एक दिन मैनेजर था पहुँचा,
सुबह समय अस्तबल देखने।
तब बोला पियरे कि देखिये!
सब जोजफ है लगा समझने।।

पियरे की मेहनत को समझा,
और मैनेजर ने किया विचार।
अब बूढ़ा हो चुका है पियरे,
दिखता है कमजोर, लाचार।।

तीस साल से कभी नहीं है,
मौका दिया शिकायत का।
अब हो जाओ रिटायर पियरे,
दूँगा खर्च मैं तुम दोनों का।।

लेकिन था खुद्दार बहुत वह,
इन बातों से किया इन्कार।
जब मेरा घोड़ा होगा रिटायर,
तब मैं भी होऊँगा तैयार।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
क्षेत्र- बिसवाँ, जनपद- सीतापुर

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

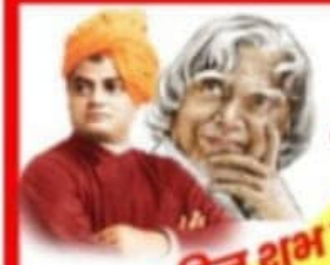

दिनांक 02 अक्टूबर 2024

# काव्यांजलि

2326

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 5 विषय- हिन्दी

पाठ- 05

## लाल बहादुर शास्त्री

तर्ज़- लोकगीत

'जय जवान-जय किसान' नारा, देश को दिए।
शास्त्री जी थे महान, ऐसा काम वे किए।।

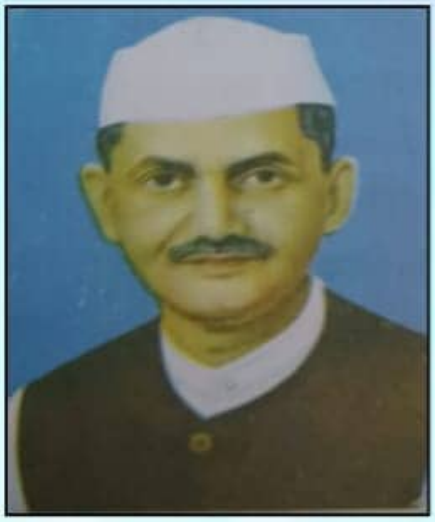

जन्मे मुगलसराय, बनारस,
उन्नीस सौ चार ई० में।
दो अक्टूबर का शुभ दिन,
खुशियाँ लाया भारत में।।
आजादी की लड़ी लड़ाई,
जेल भी गए। शास्त्री जी.....

आजादी के बाद देश के,
हुए पहले रेलमंत्री।
उसके बाद उद्योग मंत्री,
तथा स्वराष्ट्र मंत्री।।
दूजा बन प्रधानमंत्री,
देश का नाम ये किए। शास्त्री जी.....

सादा जीवन उच्च विचार को,
सदा इन्होंने जिया।
देश को उन्नति पर लाने का,
काम इन्होंने किया।।
गांधी जी के जन्म दिवस संग में,
अमर ये हो लिए। शास्त्री जी.....

रचना- अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान

# मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

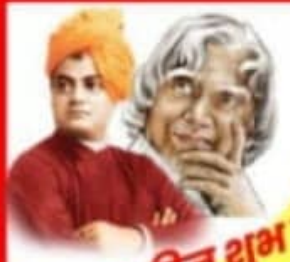

## काव्यांजलि

**2327**

दिनांक 03 अक्टूबर 2024

दिन गुरुवार



आपका दिन शुभ हो।

विषय- हमारा भूमण्डल

## कक्षा- 7 पाठ- 6

### वायु की गतियाँ (पवन के प्रकार- भाग- 2)

वर्षभर प्रायः रहती है समान,
वितरण पूरे ग्लोब पर है होता।
उत्पत्ति सम्पूर्ण ग्लोब के तापक्रम,
पृथ्वी के घूर्णन से उत्पन्न होता।।

उच्च-निम्न वायु दाब से सम्बन्धित,
है व्यापारिक, पछुआ, ध्रुवीय पवन।
ये सब स्थाई पवन के हैं प्रकार,
दूसरा नाम है इसका ग्रहीय पवन।।

उच्च दाब से निम्न दाब की ओर,
नियमित चलती है ये पवन।
जलयान संचालन में होती सुविधा,
इस कारण कहते व्यापारिक पवन।।

दिशा है उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम,
दक्षिणी-पूर्व से उत्तर-पश्चिम।
स्थिति देखने के लिये सुनो,
देखो नक्शा करो दिशा सुनिश्चित।।


रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

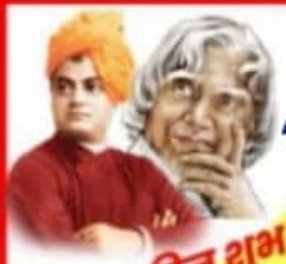

दिनांक
4 अक्टूबर 2024

काव्यांजलि
2328

दिन
शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 08
भाग- 03

कक्षा -4 विषय- पर्यावरण

# पौधे के भाग एवम् उनके कार्य

पौधों में जड़े कई,
प्रकार की होती हैं।
बरगद के पेड़ की जड़े,
सहारा देने वाली होती हैं।।

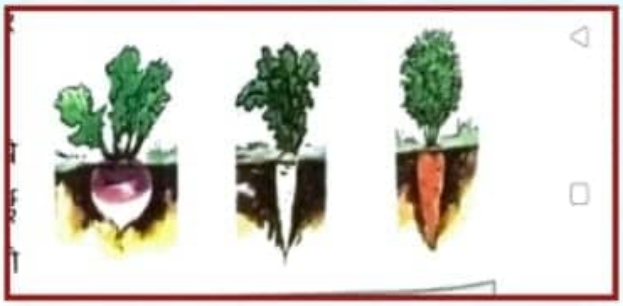

ऐसी जड़े शाखाओं से निकल,
नीचे की ओर जाती हैं।
बड़े पेड़ों को ये जड़े,
सहारा देने वाली होती हैं।।

कुछ पौधों की जड़ों में ,
भोजन संचय होता है।
मूली, गाजर, शलजम ऐसी,
जड़ों का उदाहरण होता है।।

मनीप्लांट के पौधे के तनों में,
अनेकों जड़े होती हैं।
जो पौधे के ऊपर चढ़ने में,
मदद करती हैं।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा, जनपद- कानपुर देहात

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

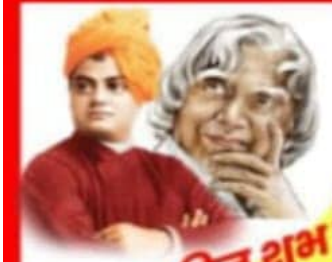

दिनांक 05 अक्टूबर, 2024

काव्यांजलि
2329

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 5, विषय- हिन्दी

# मेरी शिक्षा... पाठ- 03 (भाग-02)

हँसी-खुशी चलता रहा,
फ़ारसी भाषा का ज्ञान।
बदले गये मौलवी पहले,
दूसरे आये गम्भीर, ज्ञानवान।।

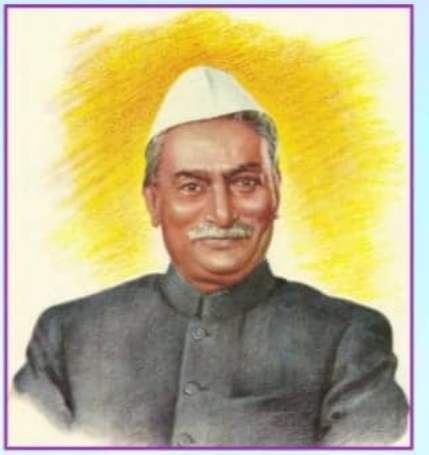

हफ्ते के दिन साढ़े पाँच,
फ़ारसी भाषा थे वो पढ़ाते।
गुरु और शुक्र को गिनती,
खेल-कूद को समय भी पाते।।

सभी पहुँचते खूब सबेरे,
जहाँ कोठरी में वह रहते।
तख़्तपोश था आँगन में,
बैठ उसी पर थे सब पढ़ते।।

पिछला पाठ दोहराते पहले,
बारी फिर नया सबक पढ़ने की।
सूर्योदय पर मिलती छुट्टी,
आधा घण्टा नाश्ता करने की।।

रचना
पुष्पा पटेल प्र०अ०
प्रा० वि० संग्रामपुर
ब्लॉक- चित्रकूट, जनपद- चित्रकूट

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

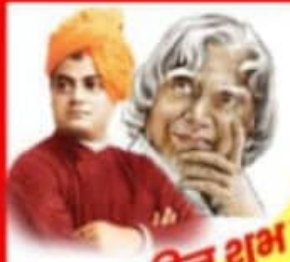

दिनांक
07 अक्टूबर
2024

काव्यांजलि
2330

दिन
सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

# दक्षिण का पठार

कक्षा-06 विषय- भूगोल
(पृथ्वी और हमारा जीवन)
पाठ-08
भारत का स्वरूप

बहुत पुरानी व स्थिर,
भूमि है दक्षिण का पठार।
ऊबड़-खाबड़ पथरीले,
कहते दक्कन का पठार।।

लावा आग्नेय चट्टानों से,
यह भूमि है बनती।
नर्मदा गोदावरी कावेरी,
आदि नदियाँ हैं बहती।।

महाराष्ट्र मध्यप्रदेश,
गुजरात में ज्यादा हिस्सा।
दक्षिण की सबसे ऊँची,
चोटी अनैमुदि भाग है इसका।।

रचना:-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फ़तेहपुर

Scanned with OKEN Scanner

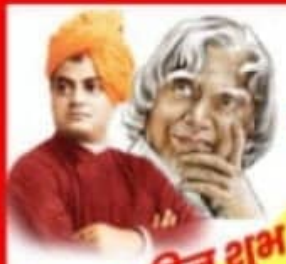

शिक्षा का उत्थान | **मिशन शिक्षण संवाद** | शिक्षक का सम्मान।



दिनांक 08 अक्टूबर 2024

# काव्यांजलि 2331

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

## कक्षा- 6 विषय- विज्ञान, इकाई- 15 वायु

## वायु व इसके गुण

वायु हमारे चारों ओर,
सभी स्थानों पर पायी जाती है।
देख नहीं सकते इसे, पर वायु अपनी,
उपस्थिति का हमें अनुभव कराती है।।

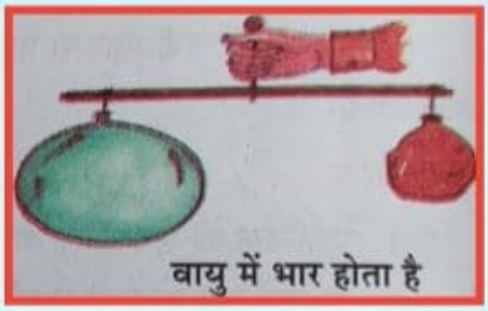



वायु में भार होता है

वायु के गुण में बच्चों,
ये बातें शामिल होती हैं।
वायु रंगहीन, गंधहीन,
और स्वादहीन होती है।।

मुँह से हवा भरने पर गुब्बारा फूल जाता है।

चित्र 15.5 वायु दाब डालती है

वायु में भार होता है,
वायु स्थान घेरती है।
जैसे- फूँकने से स्थान घेरे गुब्बारे में,
और वायु दाब डालती है।।

चित्र 15.7 ऑक्सीजन जलने में सहायक है

वायु विभिन्न गैसों, जल वाष्प,
धूल के कणों का मिश्रण है।
वायु की ऑक्सीजन श्वसन तथा,
दहन के लिए आवश्यक है।।

रचना-
सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान

# मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

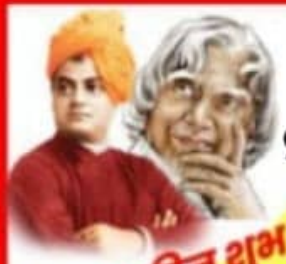



दिनांक 9 अक्टूबर 2024

## काव्यांजलि

2332

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा 3, विषय-हमारा परिवेश (EVS)

### पाठ 3, परिवेशीय पेड़ पौधे (भाग 1)

होते तरह-तरह के पेड़ और पौधे,
अपने आस-पास और परिवेश में।
वर्गीकृत करते हैं हम इनको,
बांटें विभिन्न आधारों पर इनको।।

कैसे पत्ती, फूल और फल,
लम्बाई तने की और घेरा गोल।
ये होते आधार वर्गीकरण के,
आओ सब समझें मिल के।।

पत्तियां नुकीली, लम्बी, गोल,
होता कंटीला या चिकना खोल।
कोई लम्बी, कोई छोटी होती,
कई तरह की पत्तियां होती।।

करो इकट्ठी कुछ पत्तियां तुम,
आकार देख कर समझो तुम।
किनारों पर पेंसिल चलाओ,
अन्दाजा तुम ऐसे लगाओ।।

रचना
डॉ० नीतू शुक्ला (प्र० अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकन्दरपुर करन, उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with OKEN Scanner

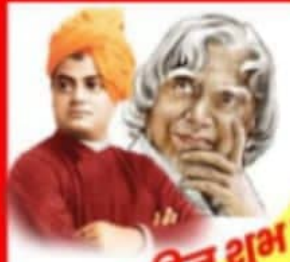

दिनांक 10/10/2024

# काव्यांजलि

2333

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 4 (विषय- संस्कृत)

## पाठ- 6 (वार्तालाप:)

सुप्रभात, सुप्रभात,
आप कैसे हो भ्रात?
बीत गई काली रात,
आया सुन्दर प्रभात।।

आओ! खेलने चलें,
हम दोनों साथ-साथ।।
सुप्रभात, सुप्रभात,
आया सुन्दर प्रभात।।

मेरा दीपक है नाम,
आपका क्या नाम है?
मेरा नाम श्वेता है,
बड़ा प्यारा नाम है।।

मैं कहूँ जो आपसे,
और मुझसे कहें जो आप।
यही दो जन के बीच,
होता है वार्तालाप।।

रचना-
श्रीमती पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर, धनीपुर
जनपद- अलीगढ़

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

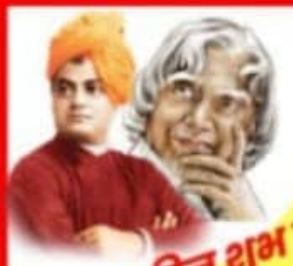

दिनांक 11/10/2024

काव्यांजलि
2334

दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 3, विषय- पर्यावरण

# पाठ- 01

## हमारा परिवार (भाग-1)

यह है मधु के परिवार का चित्र बहुत प्यारा,
दादी, दादा, माँ, पापा और भाई मोनू है न्यारा।
मधु के दादा जी को है अभी बाजार जाना,
शक्कर, नमक और सरसों का तेल है लाना।।

मोनू के लिए माँ बाजार से,
पेन और धागे मँगा रही है।
पेंसिल बॉक्स खरीदने के लिए,
मधु भी दादा जी के साथ जा रही है।।

मधु और दादाजी को घर से निकलते ही,
पीछे से जोर की आवाज आयी।
दवा का पर्चा रह गया है घर पर ही,
दादाजी को लानी है दादीजी की दवाई।।

मधु ने देखा वह था मोनू भाई,
दादाजी ने खरीदकर मोनू को दी दवाई।
घर आकर मोनू ने समय पर,
दादीजी को फिर दवा खिलायी।।

रचना- पूनम नैन (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय मुकंदपुर
छपरौली, बागपत

Scanned with OKEN Scanner

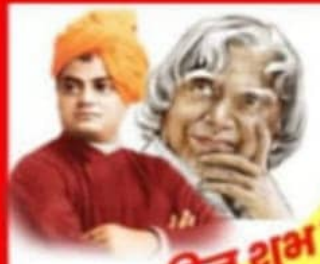

दिनांक 12 अक्टूबर, 2024

# काव्यांजलि

2335

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- हिन्दी

## छिपा रहस्य...

पाठ- 20 (भाग-04)

सुबह मैनेजर जैक ने आकर,
बेहद बुरी खबर थी सुनायी।
जोजफ नहीं रहा अब जीवित,
सोकर उठा नहीं वह भाई।।

सुनकर पियरे दर्द से बोला,
आह! मित्र तुम कहाँ गये?
चला अस्तबल को वह भागा,
आँसू बहकर उमड़ पड़े।।

भरे आँसुओं के कारण थी,
सड़क न पियरे को दिखालायी।
गिरा चोट खाकर वो सड़क पर,
सामने से गाड़ी टकरायी।।

एम्बुलेन्स जब आयी लेने,
डॉक्टर ने यह दिया बयान।
पाँच साल से दृष्टिहीन था,
पियरे अब हो गया बेजान।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
क्षेत्र- बिसवाँ, जनपद- सीतापुर

Scanned with OKEN Scanner

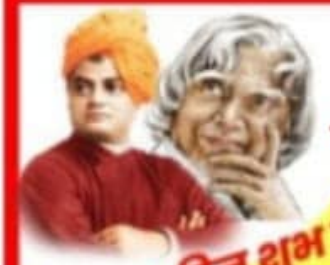

दिनांक 14 अक्टूबर 2024

# काव्यांजलि

2336

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 09

कक्षा- 6 विषय- भूगोल (पृथ्वी और हमारा जीवन)

## वर्षा ऋतु

वर्षा ऋतु में हवाएँ,
स्थल की ओर बहती हैं।
बंगाल की खाड़ी तथा,
अरब सागर से चलती हैं।।

अपने साथ नमी लाती हैं,
बहती ये हवाएँ।
जब पहाड़ों से टकरातीं,
वर्षा की बूँदें आएँ।।

नदियाँ वर्षा ऋतु में,
पानी से भर जाती हैं।
कहीं-कहीं पर बाढ़ की भी,
स्थिति लाती हैं।।

खरीफ की फसलों की बुआई,
इस ऋतु में किसान करते।
धान लगाकर खेतों में,
चावल हैं पैदा करते।।

रचना- अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

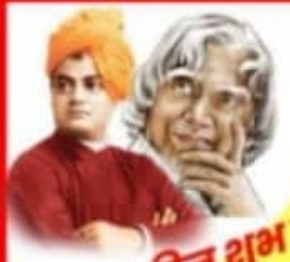

दिनांक
15 अक्टूबर
2024

# काव्यांजलि

2337

दिन
मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- हमारा भूमण्डल

## कक्षा- 7 पाठ- 6

### वायु की गतियाँ
### (पवन के प्रकार- भाग- 3

ध्रुओं पर अधिक शीत के कारण,
बना रहता है उच्च वायु दाब।
ध्रुवीय उच्च वायु दाब से,
ओर चलती है निम्न वायु दाब।।

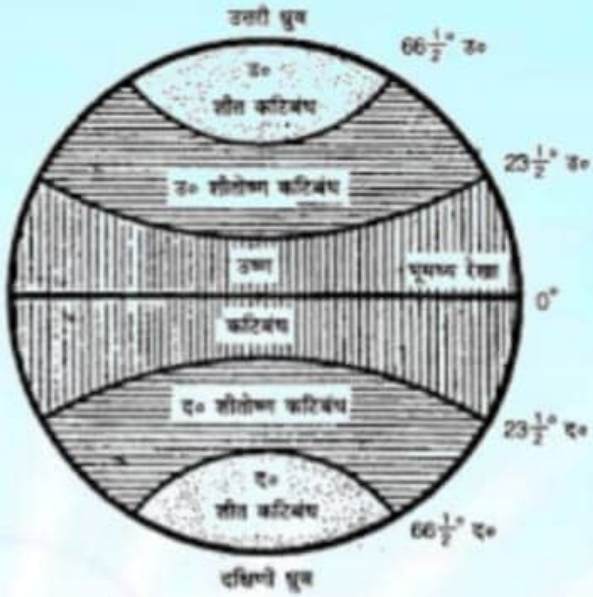


इस कारण इसे स्थाई पवन,
या कहते हैं ध्रुवीय पवन।
शीतोष्ण कटिबन्धीय निम्न,
कहते हैं दाब पेटी पवन।।

शीत ऋतु में पवन स्थल,
से सागर की ओर चलती।
ग्रीष्म ऋतु में पवन सागर,
से स्थल की ओर चलती।।

इस कारण वायु होती,
है आर्द्रता से भरी हुई।
इस कारण ग्रीष्म ऋतु में,
भारी वर्षा है होती।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

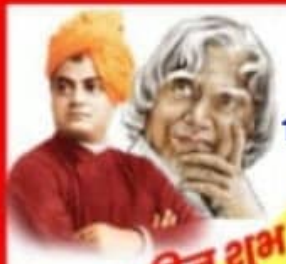

दिनांक
16 अक्टूबर 2024

काव्यांजलि
2338

दिन
बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 07
भाग- 01

कक्षा -4 विषय- पर्यावरण

# जन्तुओं में अनुकूलन

परिवेश में तरह-तरह के,
जीव-जन्तु रहते हैं।
पर्याप्त सुरक्षा, भोजन के,
अनुसार निवास करते हैं।।

गाय, भैंस और बकरी जैसे,
जन्तु थलचर कहलाते हैं।
मछली, घोंघा और सांप जैसे,
जन्तु जलचर माने जाते हैं।।

कछुआ, मेंढक पानी और,
जमीन दोनों जगह में रहते है।
ऐसे जीव को हम उभयचर,
जीव-जन्तु कहते हैं।।

जो जीव उड़ते आकाश में ,
वह नभचर होते हैं।
चिड़िया, कौआ और चील,
नभचर के उदाहरण होते हैं।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा, जनपद- कानपुर देहात

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान — **मिशन शिक्षण संवाद** — शिक्षक का सम्मान।

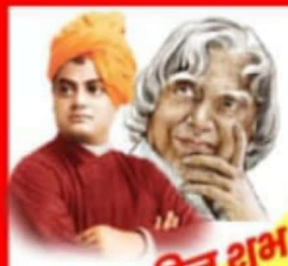



दिनांक 17 अक्टूबर 2024

# काव्यांजलि
## 2339

दिन गुरूवार

आपका दिन शुभ हो।

### विषय- विज्ञान, कक्षा- 6 इकाई-

# मूल मात्रक एवं उनके संकेत

## मापन

लम्बाई का मात्रक मीटर,
और संकेत है M.
द्रव्यमान का मात्रक kg,
किलोग्राम कहें हम।।

| भौतिक राशि/प्रतीक | SI मात्रक | प्रतीक |
|---|---|---|
| समय (t) | सैकण्ड | s |
| द्रव्यमान (m) | किलोग्राम | kg |
| लम्बाई (*l*) | मीटर | m |
| विधुत धारा (I) | ऐम्पीयर | A |
| ज्योति तीव्रता ($I_v$) | कैण्डेला | Cd |
| ऊष्मागतिक ताप (T) | केल्विन | K |
| पदार्थ की मात्रा (n) | मोल | mol |

टाइम का मात्रक सेकेण्ड है,
S जिसका संकेत।
ताप का मात्रक केल्विन होता,
और संकेत है K.

ज्योति तीव्रता का SI मात्रक,
कैण्डिला कहलाता।
cd है इसका संकेत,
तीव्रता खोज के लाता।।

Mol नापता पदार्थ की मात्रा,
विद्युत धारा का एम्पियर।
A इसका संकेत है,
7 यही हैं मूल मात्रक।।

## रचना:-

राज कुमार शर्मा (प्र०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय चित्रवार
क्षेत्र- मऊ, जनपद- चित्रकूट



Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

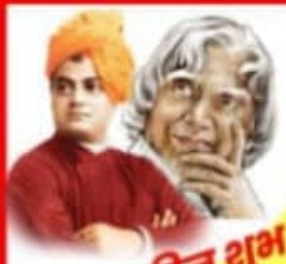

दिनांक
18 अक्टूबर
2024

काव्यांजलि
2340

दिन
शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-06 विषय- भूगोल
(पृथ्वी और हमारा जीवन)
पाठ-08
भारत का स्वरूप

# तटीय राज्य व द्वीपसमूह

समुद्र से लगा हुआ,
तटीय भाग है कहलाता।
दक्षिणी हिस्सा भारत का,
समुद्र से देखो लगता।।

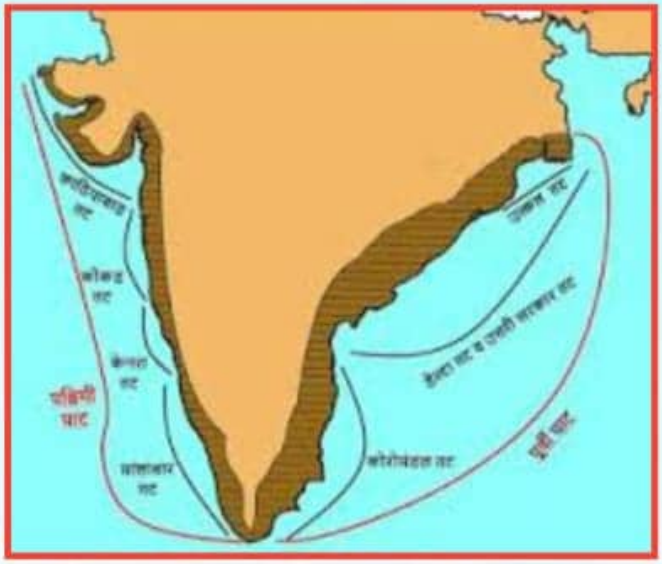

गुजरात महाराष्ट्र कर्नाटक,
केरल गोवा दमनदीव।
पश्चिमी तट पर लगे समुद्र से,
कितना सुन्दर लक्षद्वीप।।

पश्चिमी घाट पर्वत है देखो,
चोटियाँ कालसुबाई कुद्रेमुख।
अरब सागर को छूता है,
दक्षिण में हिन्द महासागर का समुद्र।।

रचना:-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फ़तेहपुर



Scanned with OKEN Scanner

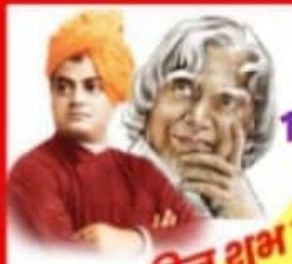

दिनांक 19 अक्टूबर 2024

# काव्यांजलि

2341

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 8, विषय- गणित

इकाई- 10 चतुर्भुज की रचनाएँ

## चतुर्भुज के प्रकार (भाग-1)

जिस चतुर्भुज के सम्मुख भुजाओं का,
एक युग्म समान्तर होता है।
वह चतुर्भुज जानो बच्चों,
समलम्ब चतुर्भुज कहलाता है।।

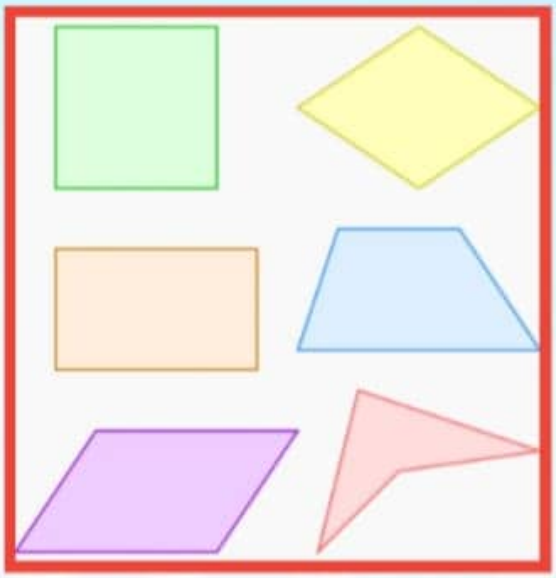

समान्तर चतुर्भुज वह चतुर्भुज जिसकी,
सम्मुख भुजाएँ समान्तर होती हैं।
सम्मुख कोण बराबर होते हैं और,
सम्मुख भुजाएँ भी बराबर होती हैं।।

सम्मुख भुजाएँ समान्तर व बराबर होती,
प्रत्येक कोण समकोण होता है।
दोनों विकर्ण बराबर होते लम्बाई में,
वह चतुर्भुज आयत चतुर्भुज होता है।।

प्रत्येक कोण समकोण, बराबर दोनों विकर्ण,
एक दूसरे को समकोण पर समद्विभाजित करे।
चारों भुजाएँ बराबर, सम्मुख भुजाएँ समान्तर,
उस चतुर्भुज को हम सब वर्ग चतुर्भुज कहे।।

रचना-
सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, सोनभद्र

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान

# मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

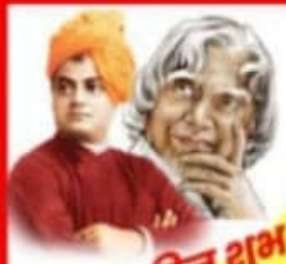

दिनांक 21 अक्टूबर 2024

## काव्यांजलि

2342

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा 3, विषय-हमारा परिवेश (EVS)

## पाठ-3, परिवेशीय पेड़-पौधे (भाग 2)

रंग-बिरंगे फल और फूल,
अलग गन्ध, खुशबू के फूल।
हरी-भरी, रंग-बिरंगी सब्जियाँ,
भिन्न खुशबू, आकार की सब्जियाँ।।

कोई है लम्बा, कोई है गोल,
कोई है छोटा, कोई है बड़ा।
केला है लम्बा, सेब है गोल,
लम्बी है लौकी, कद्दू गोल।।

कुछ होते है ऐसे पौधे,
जमीन पर लेट कर है बढ़ते।
विसर्पी पौधे उन्हें हम कहते,
कद्दू, तरबूज इस श्रेणी में आते।।

कुछ पौधे सहारा पा चढ़ते,
बांस, छप्पर सहारा बन जाते।
आरोही पौधे ये हैं कहलाते,
लौकी, तोरई इस श्रेणी में आते।।

प्रस्तुति

डॉ० नीतू शुक्ला (प्र० अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकन्दरपुर करन, उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with OKEN Scanner

# मिशन शिक्षण संवाद



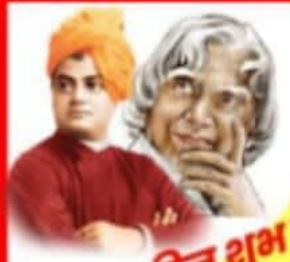

दिनांक 22/10/2024

## काव्यांजलि

2343

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 4 (विषय- संस्कृत)

## पाठ- 10 (दिनचर्या)

शोभा और अनिल हैं,
दोनों भैया-बहना।
बनो उन्हीं के जैसे,
गुरु जी का है कहना।।

मुख धोती है अपना,
फिर वह मंजन करती है।
शीतल शीतल जल से,
फिर वो स्नान करती है।

सुबह सवेरे उठती शोभा,
छोड़ देती है बिस्तर।
हाथों को फिर धोती है,
साबुन से मलमल कर।।

कर स्नान अनिल और शोभा,
मिलकर खाना खाते हैं।
होकर फिर तैयार वो,
संग विद्यालय जाते हैं।।

विद्यालय में अपनी-अपनी,
कक्षा में पढ़ने जाते हैं।
कक्षा करके पूरी अपनी,
छुट्टी में वापस आते हैं।।

होती है जब संध्या,
वो साथ खेलते हैं खेल।
प्यार से रहते हैं वो दोनों,
उन दोनों में बड़ा है मेल।।

रचना-
श्रीमती पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर, धनीपुर
जनपद- अलीगढ़

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

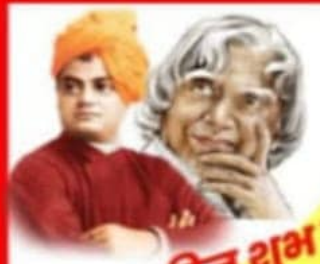

दिनांक 23 अक्टूबर, 2024

काव्यांजलि

2344

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- हिन्दी (अनिवार्य संस्कृत)

# क्रीड़ा महोत्सव:

## प्रथम: पाठ:

आज हमारे विद्यालय में,
खेल महोत्सव का है अवसर।
विद्यालय के आँगन में ही,
बना खेल मैदान का परिसर।।

अवनीश, उमेश, गोकुल, साधना,
गीता बालीवॉल अच्छा खेलते।
छठी-सातवीं कक्षा के बालक,
आपस में यह खेल खेलते।।

और हमारे खेल के शिक्षक,
निर्णायक की भूमिका निभाते।
अवनीश कैप्टन बनता है,
बाकी छात्र हैं खेल देखते।।

ताली बजाकर, शोर मचाकर,
खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते।
खेल के बाद प्रधानाध्यापक जी,
ईनाम में सबको गेंद बाँटते।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
क्षेत्र- बिसवाँ, जनपद- सीतापुर

Scanned with OKEN Scanner

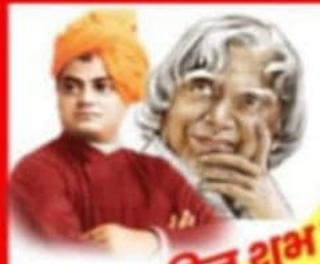

दिनांक 24 अक्टूबर, 2024

# काव्यांजलि

2345

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- हिन्दी

## आओ फिर से दिया जलाएँ...

पाठ- 21

बाधाएँ आती जीवन में,
उनको हमें हराना है।
गहन अँधेरा जीवन-पथ में,
एक दिया तो जलाना है।।

भरी दोपहर में है अँधेरा,
सूरज भी है थककर हारा।
मन को हम हिम्मत से मनाएँ,
आओ फिर एक दिया जलाएँ।।

हम मंजिल अपनी पहचानें,
अपने लक्ष्य जतन से बचाएँ।
बीता कल न मिलता फिर से,
वर्तमान को चलो सजाएँ।।

आहुतियाँ हैं शेष अभी तो,
यज्ञ सभी निर्विघ्न बनाएँ।
विजय पताका फहराने को,
आओ, हम दधीचि बन जाएँ।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
क्षेत्र- बिसवाँ, जनपद- सीतापुर

Scanned with OKEN Scanner

# मिशन शिक्षण संवाद



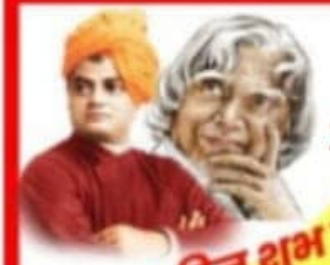

दिनांक 25 अक्टूबर 2024

## काव्यांजलि

2346

दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 09

कक्षा- 6 विषय- भूगोल (पृथ्वी और हमारा जीवन)

## शरद ऋतु

स्थल भागों से लौटकर,
बंगाल की खाड़ी की ओर।
शरद ऋतु में हवाएँ,
स्थल से बहें जल की ओर।।

तमिलनाडु और आन्ध्र प्रदेश,
जो भारत का दक्षिणी भाग।
वर्षा विशेषकर हो यहाँ पर,
शरद ऋतु की ये बात है खास।।

उत्तरी मैदानों में मौसम,
रहता सामान्य।
अधिक लगे ना गर्मी, सर्दी,
शरद ऋतु का ज्ञान।।

किसान खरीफ के फसलों की,
करते हैं कटाई।
शरद ऋतु अति प्यारी-प्यारी,
दे जाती पल सुखदायी।।

रचना- अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

Scanned with OKEN Scanner

# मिशन शिक्षण संवाद



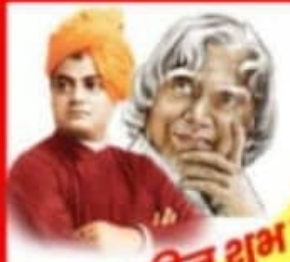

दिनांक 26 अक्टूबर 2024

## काव्यांजलि

2347

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- हमारा भूमण्डल

## कक्षा- 7 पाठ- 6

### वायु की गतियाँ
### (पवन के प्रकार- भाग- 4

सागरीय हवा चलने का कारण,
स्थल-जल का है गर्म-ठण्डा होना।
दोनों का परस्पर है विरोधी स्वभाव,
अतः स्थलीय भाग जल्दी गर्म होता।।

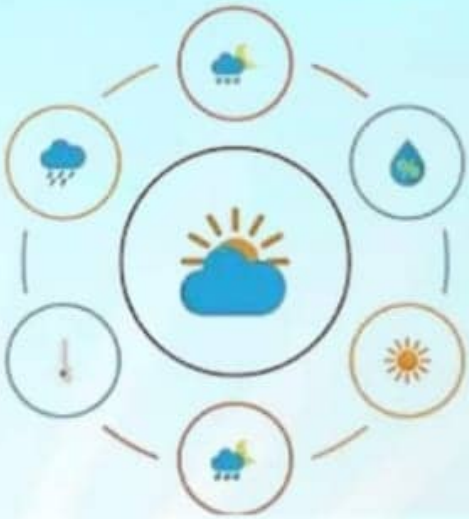

दिन के समय स्थलीय भाग,
जल्दी गर्म हो जाता है।
गर्म होकर वायु ऊपर उठती,
ये वायु सागरीय समीर कहलाता है।।

विपरीत स्वाभाव में चलने वाली,
विशेष पवन है स्थानीय पवन।
सम्बन्ध होता धरातलीय बनावट से,
बर्फ, धूल, रेत से भरी, लू है ये पवन।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

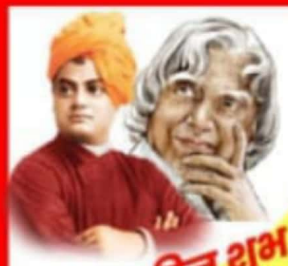

दिनांक
28 अक्टूबर
2024

# काव्यांजलि

दिन
सोमवार

2348

आपका दिन शुभ हो।

विषय- पर्यावरण, कक्षा- 4, पाठ-7, भाग- 02

## जंतुओं में अनुकूलन ....

(मरुस्थलीय जन्तु ऊँट )

ऊँट को रेगिस्तान का,
जहाज कहा जाता है।
ऊँट के कूबड़ में भोजन,
वसा रूप में संचित रहता है।।

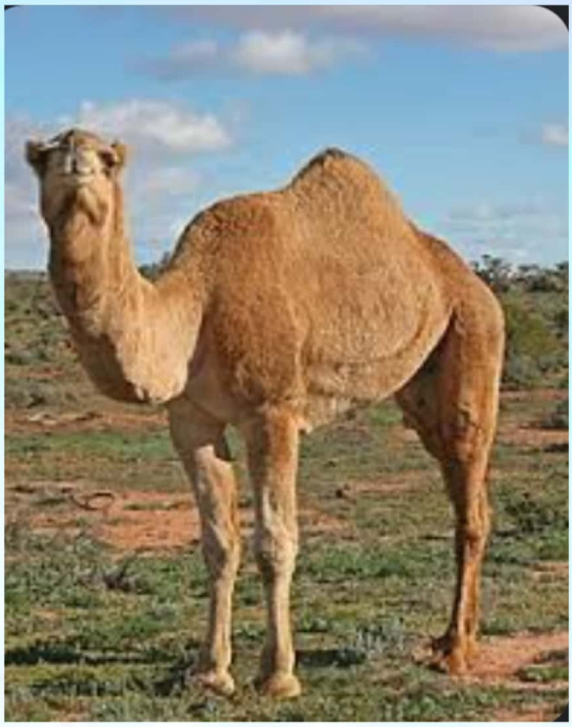

ऊँट को भोजन न मिलने पर,
संचित वसा का उपयोग करता है।
ऊँट बिना पानी और भोजन के,
कई दिनों तक जीवित रहता है।।

ऊँट के पैर लम्बे और,
गद्दी दार होते हैं।
जो मरुस्थलीय भूमि पर,
आसानी से चल लेते हैं।।

ऊँट को उपयोगी मरुस्थलीय,
पशु माना जाता है।
मरुस्थलीय यातायात के लिए,
बहुत उपयोगी होत

रचना:-

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

Scanned with OKEN Scanner

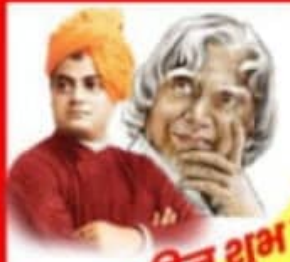

दिनांक
29 अक्टूबर
2024

# काव्यांजलि

2349

दिन
सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-06 विषय- भूगोल
(पृथ्वी और हमारा जीवन)
पाठ-09
भारत की जलवायु

# मौसम व ऋतुएँ

छोटे समय में देखो,
होते जो वातारण में परिवर्तन।
ताप, दाब आर्द्रता आदि,
सबको मिला के बनता मौसम।।

दिन-प्रतिदिन ये घटना होती,
पृथ्वी अपनी है ये अनोखी।
लम्बे समय में हो बदलाव,
उसको हम कहते जलवायु।।

दो तीन माह के मौसम,
ऋतुएँ है कहलाती।
ठण्डी गर्मी व बरसात,
अलग-अलग समय आतीं।।

रचना:-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फ़तेहपुर



Scanned with OKEN Scanner

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

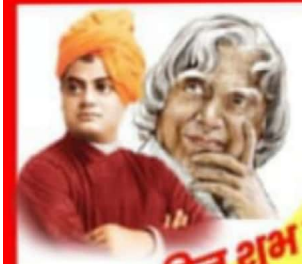

दिनांक
30 अक्टूबर
2024

# काव्यांजलि

2350

दिन
बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

## विषय- विज्ञान, कक्षा- 8 इकाई- 02

# उपयोगी मानव निर्मित वस्तुएँ ....

(मानव निर्मित वस्तुएँ )

### कृषि कार्यों में- 👇

कृषि यन्त्र हैं कुदाल, फावड़ा,
खुरपी और हँसिया।
कृषि कार्यों में मददगार हैं,
काम बनाएँ बढ़िया।।

फसल बुआई, फसल मड़ाई,
या करना हो सिंचाई।
मानव निर्मित यन्त्रों ने,
हमेशा मदद पहुँचाई।।

### औषधियों के निर्माण में- 👇

जड़ी-बूटियों से निर्मित कर,
औषधियों को बनाया।
जड़ी बूटियों का प्रयोग,
सदियों से करता आया।।

अब एंटीबायोटिक दवाएँ,
कर ली हमने निर्मित।
विविध मशीनों से जानकारी,
लें रोगों से सम्बन्धित।।

रचना:-

राज कुमार शर्मा (प्र०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय चित्रवार
क्षेत्र- मऊ, जनपद- चित्रकूट



Scanned with OKEN Scanner

दिनांक 31/10/2024

# काव्यांजलि 2351

दिन गुरुवार

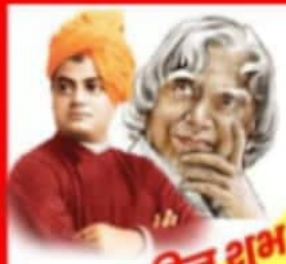

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 4 (विषय- संस्कृत)

## पाठ-9 ( मेलकम्)

बच्चों! आज हम सब मेला चलेंगे।
खाएंगे, पिएंगे और मस्ती करेंगे।।

मेले में जाकर के हम झूलेंगे झूला,
और वहाँ देखेंगे गुब्बारा फूला-फूला,
लड्डू खाएँगे, ठण्डा पानी पिएँगे।
बच्चों! आज हम सब मेला चलेंगे।।

चाय पकौड़ी खा कर हम देखेंगे सर्कस,
थक जाएँगे तो पिएँगे हम सब गन्ने का रस,
मित्र मण्डली मिलकर घूमेंगे-फिरेंगे।
बच्चों! आज हम सब मेला चलेंगे।।

रचना-
श्रीमती पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर, धनीपुर
जनपद- अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with OKEN Scanner

# काव्यांजलि माह- अक्टूबर, 2024

2325_मंगलवार, 01 अक्टूबर, छिपा रहस्य-3, शिखा वर्मा, सीतापुर

2326_ बुधवार, 02 अक्टूबर, लाल बहादुर शास्त्री, अरविन्द कुमार सिंह, वाराणसी

2327_ गुरुवार, 03 अक्टूबर, पवन के प्रकार-2, रुखसाना बानो मिर्जापुर

2328_ शुक्रवार, 04 अक्टूबर, पौधे के भाग एवं कार्य, मृदुला वर्मा, कानपुर देहात

2329_ शनिवार, 05 अक्टूबर, मेरी शिक्षा भाग-1, पुष्पा पटेल, चित्रकूट

2330_ सोमवार, 07 अक्टूबर, दक्षिण का पठार, सुधांशु श्रीवास्तव फतेहपुर

2331_ मंगलवार, 08 अक्टूबर, वायु व उसके गुण, सुमन सिंह, सोनभद्र

2332_ बुधवार, 09 अक्टूबर, परिवेशीय पेड़-पौधे, डॉ0 नीतू शुक्ला, उन्नाव

2333_ गुरुवार, 10 अक्टूबर, वार्तालाप:, पूनम गुप्ता, अलीगढ़

2334_ शुक्रवार, 11 अक्टूबर, हमारा परिवार-1, पूनम नैन, बागपत

2335_ शनिवार, 12 अक्टूबर, छिपा रहस्य-4, शिखा वर्मा, सीतापुर

2336_ सोमवार 14 अक्टूबर, वर्षा ऋतु, अरविन्द कुमार सिंह, वाराणसी

2337_ मंगलवार, 15 अक्टूबर, पवन के प्रकार-3, रुखसाना बानो, मिर्जापुर

2338_ बुधवार, 16 अक्टूबर, जंतुओं में अनुकूलन, मृदुला वर्मा, कानपुर देहात

2339_ गुरुवार, 17 अक्टूबर, मूल मात्रक एवं उनके संकेत, R. K.शर्मा, चित्रकूट

2340_ शुक्रवार, 18 अक्टूबर, तटीय राज्य द्वीप समूह, सुधांशु श्रीवास्तव, फतेहपुर

2341_ शनिवार, 19 अक्टूबर, चतुर्भुज के प्रकार, सुमन सिंह, सोनभद्र

2342_ सोमवार, 21 अक्टूबर, परिवेशीय पेड़-पौधे, नीतू शुक्ला, उन्नाव

2343_ मंगलवार, 22 अक्टूबर, दिनचर्या, पूनम गुप्ता,अलीगढ़

2344_ बुधवार, 23 अक्टूबर, क्रीड़ा महोत्सव:, शिखा वर्मा, सीतापुर

2345_ गुरुवार, 24 अक्टूबर, आओ फिर से दिया जलाएँ, शिखा वर्मा, सीतापुर

2346_ शुक्रवार, 25 अक्टूबर, शरद ऋतु, अरविन्द कुमार सिंह वाराणसी

2347_शनिवार, 26 अक्टूबर, पवन के प्रकार-4, रुखसाना बानो, मिर्जापुर

2348_ सोमवार, 28 अक्टूबर, मरुस्थलीय जन्तु ऊँट, मृदुला वर्मा, कानपुर

2349_ मंगलवार, 29 अक्टूबर, मौसम व ऋतुएँ, सुधांशु श्रीवास्तव, फतेहपुर

2350_ बुधवार, 30 अक्टूबर, उपयोगी मानव निर्मित वस्तुएँ, R.K.शर्मा, चित्रकूट

2351_ गुरुवार, 31 अक्टूबर, मेलकम, पूनम गुप्ता, अलीगढ़

संकलन कर्ता :- राज कुमार शर्मा, मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with OKEN Scanner